



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 396]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 9, 2009/आषाढ़ 18, 1931

No. 396]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 9, 2009/ASADHA 18, 1931

वित्त मंत्रालय

(वित्तीय सेवाएं विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 2009

सा.का.नि. 513(अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 की उप-धारा (2) के खण्ड (ग) और उप-धारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम (एजेंट) नियम, 1972 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम (एजेंट) संशोधन नियम, 2009 है।

(2) ये राजपत्र के प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम (एजेंट) नियम, 1972 के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), नियम 9 में, उप-नियम (1) और उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“(1) एजेंट को अपने प्रत्येक पहले, दूसरे और तीसरे एजेंसी वर्ष में निम्नलिखित व्यवसाय लाना पड़ेगा.—प्रस्तावों के फलस्वरूप ऐसी पालिसियां जो एक लाख रु. की पहले वर्ष की प्रीमियम आय से कम न हो और जो कम से कम बारह भिन्न जीवनों पर की गई हों :

परंतु एक मद अर्थात् जीवन या पहले वर्ष की प्रीमियम आय की पूर्ति में किसी कमी को तीसरे एजेंसी वर्ष के अन्त में अधिकतम 50% तक माफ किया जाएगा :

परंतु यह और कि इसकी क्षतिपूर्ति अन्य मद पर उसी या उच्च प्रतिशत वृद्धि के साथ की जाती है और यह और कि इस शर्त के अधीन रहते हुए एजेंट, ऐसे छह प्रस्तावों से कम न चलाए जिनके फलस्वरूप कम से कम छह भिन्न जीवनों पर पालिसियां की गई हों और उसकी एजेंसी के प्रत्येक पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष में कम से कम पचास हजार रुपए पहले वर्ष प्रीमियम आय की हो।

(2) चौथे एजेंसी वर्ष में और उसके पश्चात्पूर्व एजेंसी वर्षों में, कम से कम बारह प्रस्ताव जिनके फलस्वरूप कम से कम बारह भिन्न जीवनों पर कम से कम एक लाख रुपए की पहले वर्ष की प्रीमियम आय”।

3. उक्त नियमों की अनुसूची में, “खंडों” और “उप-खंडों” शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “पैरा” और “उप-पैरा” शब्द रखे जाएंगे।

4. उक्त नियमों की अनुसूची 3 में,

(i) पैरा 2 और पैरा 3 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्—

“2. एजेंट, जिसके अंतर्गत आमेलित एजेंट भी है, उपयुक्त प्रथम वर्ष कमीशन के 40 प्रतिशत की दर पर बोनस कमीशन का हकदार होगा यदि उसने भिन्न जीवनों पर ऐसे छह प्रस्तावों का जिसके फलस्वरूप पूर्ण व्यवसाय अर्जित किया है और तत्संबंधी एजेंसी वर्ष में कम से कम पचास हजार रुपए की पहले वर्ष प्रीमियम आय हुई है”।

(ii) पैरा 2 और पैरा 3 के पैरा 2 के रूप में प्रतिस्थापन के पश्चात्, पैरा 4 और पैरा 5 को पैरा 3 और पैरा

4 के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा ;

(iii) इस प्रकार पुनःसंख्यांकित किए गए पैरा 4 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्—

“ 4. उपनियम 2 और उपनियम 3 में किसी बात के होते हुए भी, कोई एजेंट जिसे नियम 9 के उपनियम (4) के अधीन छूट प्राप्त है, बोनस कमीशन का हकदार होगा, यदि ऐसी छूट प्राप्ति के समय उसने अनुसूची 6 में यथापरिभाषित पन्द्रह अर्हक वर्ष पूरे कर लिए हों।

5. उक्त नियमों की अनुसूची 5 के पैरा 2 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्—

“2. एजेंट जिसके अंतर्गत आमेलित एजेंट भी है, उपयुक्त प्रथम वर्ष कमीशन के 40 प्रतिशत की दर पर बोनस कमीशन का हकदार होगा यदि उसने भिन्न जीवनो पर ऐसे छह प्रस्तावों का जिसके फलस्वरूप पूर्ण व्यवसाय अर्जित किया है और तत्संबंधी एजेंसी वर्ष में कम से कम पचास हजार रुपए की पहले वर्ष प्रीमियम आय हुई है”।

6. उक्त नियमों के, नियम 19 के, उप नियम (4) में,

“100” अंक के स्थान पर “3000” अंकों को रखा जाएगा।

[फा. सं. एच-12011/6/2008-आईएनएस/III]

तरुण बजाज, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणः—मूल नियम भारत के राजपत्र तारीख 1 मई, 1972 में अधिसूचना सं. डीईवी/एजी/रजि./जीओवी. IV/डीजेडएम के अधीन प्रकाशित किए गए थे, जो अधिसूचना संख्या 81(4)/आईएनएस II/75 तारीख 1 सितम्बर, 1976, सं. 81(12)/आईएनएस 11/78 तारीख 1 सितम्बर, 1978; सा.का.नि. सं. 487 तारीख 29 मई, 1982; सा.का.नि. सं. 228 तारीख 29 मार्च, 1986, सा.का.नि. सं. 251, तारीख 11 अप्रैल 1987, सा.का.नि. सं. 811 तारीख 13 अक्टूबर, 1989, संख्या 1 में तारीख 5 जनवरी, 1991 द्वारा सं. सा.का.नि. 4, तारीख 5 दिसम्बर, 1990, संख्या 50 में तारीख 15 दिसम्बर, 1990 द्वारा संख्या सा.का.नि. 745 तारीख 15 दिसम्बर, 1990, संख्या 39 में तारीख 28 सितम्बर, 1991 द्वारा सं. सा.का.नि. 547 तारीख 12 सितम्बर, 1991; संख्या 4 में, तारीख 25 जनवरी, 1992 द्वारा सं. सा.का.नि. 35 तारीख 14 जनवरी, 1992, सं. 263 में तारीख 6 अगस्त, 1993 द्वारा सं. सा.का.नि. संख्या 534(अ) तारीख 6 अगस्त, 1993 और सं. 276 में, तारीख 16 मई, 2000 द्वारा सा.का.नि. सं. 462(अ), तारीख 16 मई, 2000 सा.का.नि. सं. 48(अ) तारीख 23 जनवरी, 2008 द्वारा पश्चात्पूर्ति संशोधन किए गए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Financial Services)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th July, 2009

G.S.R. 513(E).—In exercise of the powers conferred by clause (cc) of sub-section (2) and sub-section (2A) of Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India (Agents) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India (Agents) Amendments Rules, 2009.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 In the Life Insurance Corporation of India (Agents) Rules, 1972 (hereinafter referred to as the said rules, in rule 9, for sub-rules (1) and (2), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

“(1) An agent shall bring in the following business in each of his First, Second and Third agency year—

Proposals resulting in policies on at least twelve different lives for not less than First Year Premium Income of Rs. one lac;

Provided that a shortfall in fulfillment on one count namely lives or First Year Premium Income shall be condoned up to a maximum of 50% at the end of third agency year:

Provided further that it is compensated with same or higher percentage increase on the other count and further subject to the condition that the agent brings in not less than six proposals resulting in policies on at least six different lives and at least Rs. fifty thousand First Year Premium Income in each of the first, second and third years of his agency.

(2) In fourth agency year and in subsequent agency years, at least twelve proposals resulting in policies on at least twelve different lives with First Year Premium Income of at least Rs. one lac”.

3. In the Schedules of the said rules, for the words “clauses” and “sub-clauses” wherever they occur, the words “paragraphs” and sub-paragraphs” shall be substituted.

4. In Schedule III of the said rules,—

(i) for paragraphs 2 and 3, the following paragraph shall be substituted, namely,

“2. An agent including an absorbed agent shall be entitled to bonus commission at the rate of 40% of the eligible first year commission if he has secured not less than six proposals on different lives resulting in a completed business and a first year premium income of at least Rs. fifty thousand in the respective agency year”.

(ii) after substitution of paragraphs 2 and 3 as paragraph 2, the paragraphs 4 and 5 shall be renumbered as paragraphs 3 and 4;

(iii) for paragraph 4 as so renumbered, the following paragraph shall be substituted, namely,—

“4. Notwithstanding anything contained in sub-rules 2 and 3, an agent who has been exempted under sub-rule (4) of rule 9, shall be entitled to bonus commission, if he has to his credit at the time of such exemption fifteen qualifying years as defined in Schedule VI”.

5. For paragraph 2 of Schedule V of said rules, the following paragraph shall be substituted, namely,—

“2. An agent including an absorbed agent shall be entitled to bonus commission at the rate of 40% of the eligible first year commission, if he has secured not less than six proposals on different lives

resulting in a completed business and a first year premium Income of at least Rs. fifty thousand in the respective agency year”.

6. In the said rules, in rule 19, in sub-rule (4), for the figures “100”, the figures “3000” shall be substituted.

[F. No. H-12011/6/2008-Ins./III]

TARUN BAJAJ, Jt. Secy.

Foot Note : The principal Rules were published under notification No. Dev/Ag/Regn./Gov.IV/DZM in the Gazette of India, dated the 1st May, 1972 subsequently amended by notification Nos. 81 (4)/Ins. II/75 dated the 1st September, 1976; No. 81 (12)/Ins. II/78 dated the 1st September, 1978; No. G.S.R. 487; dated the 29th May, 1982; No. G.S.R. 228 dated the 29th March, 1986; No. G.S.R. 251 dated the 11th April, 1987; G.S.R. No. 811 dated the 13th October, 1989; in No. 1 dated the 5th January, 1991 *vide* G.S.R. No.4, dated the 5th December, 1990; in No.50 dated the 15th December, 1990 *vide* G.S.R. No. 745 dated the 15th December, 1990; in No.39 dated the 28th September, 1991 *vide* No. G.S.R. 547 dated the 12th September, 1991; in No. 4 dated the 25th January, 1992 *vide* No. G.S.R. 35 dated the 14th January, 1992; in No. 263 dated 6th August, 1993 *vide* No. G.S.R. 534(E), dated the 6th August, 1993 and in No.276 dated the 16th May, 2000 *vide* No. G.S.R. 462(E), dated the 16th May, 2000 *vide* No. G.S.R. 48(E) dated the 23rd January 2008.